Dainik Bhaskar (Indore) 30th July 2020, Page-2

वेबिनार • सीएफडीएसटी के उद्घाटन को लेकर हुए आईआईटी इंदौर के आयोजन में बोले रक्षा सचिव

हम अपनी कुशलता बढ़ाएं तो रक्षा क्षेत्र को बेहतर आर्थिक अवसर के रूप में देख सकते हैं : डॉ. कुमार

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देश में रक्षा क्षेत्र के लिए काम करने वाले स्टार्टअप की संख्या बहुत कम है। युवाओं का मानना है इस क्षेत्र में प्रवेश मिलना मुश्किल है। हालांकि सरकार ने रक्षा क्षेत्र के स्टार्टअप के लिए कई चीजें आसान की हैं। इसी का परिणाम है कि आईआईटी दिल्ली, आईआईटी मद्रास जैसे संस्थानों के स्टार्टअप्स ने अपने उत्पाद और सेवाएं रक्षा विभाग को दी हैं। यदि हम अपनी कुशलता बढ़ाएं तो इस क्षेत्र को बेहतर आर्थिक अवसर के रूप में देख सकते हैं। आईआईटी इंदौर में बनने जा रहे सेंटर फॉर फ्यूचरिस्टिक डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजी (सीएफडीएसटी) जैसे प्रयोग अन्य शैक्षणिक संस्थानों में भी होना चाहिए ताकि रक्षा क्षेत्र के लिए आने वाले समय में ज्यादा कुशल वर्कफोर्स उपलब्ध हो सकें। ये बातें सीएफडीएसटी के उद्घाटन के तारतम्य में आयोजित वेबिनार में रक्षा सचिव डॉ. अजय कुमार ने कही।

वेबिनार में मौजूद रक्षा सचिव व आईआईटी के पदाधिकारी।

हमें बड़े आयातक के बजाय निर्यातक बनना चाहिए

डॉ. कुमार ने कहा रक्षा क्षेत्र आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। दुनिया में रक्षा के नाम पर अरबों डॉलर खर्च किए जाते हैं। इनमें से अधिकांश व्यापार अग्रणी पांच देशों की प्रमुख कंपनियां करती हैं। हमें सबसे बड़ा आयातक बनने के बजाय निर्यातक बनने की ओर कदम बढ़ाने होंगे। डॉ. कुमार कहा केंद्र ने इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस नामक इनिशिएटिव लिया है। इसका मकसद डिफेंस और एयरोस्पेस के लिए इनोवेशन व टेक्नोलॉजी तैयार करना है। इसमें भारतीय स्टार्टअप्स के लिए कई मौके उपलब्ध करवाए जाते हैं जिनकी मदद से वे इन क्षेत्रों में प्रवेश पा सकते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत आईआईटी के पीआरसीएलओ कमांडर सुनील कुमार ने की। डॉ. संतोष कुमार विश्वकर्मा, आईआईटी के प्रभारी निदेशक डॉ. नीलेश जैन, मटेरियल साइंस विभाग के डॉ. अजय कुशवाह ने भी संबोधित किया।